लखनऊ, 4 अप्रैल 2015 दैनिक जागरण | 13

Media/LKO/60/2015

बंद चीनी मिलों का गन्ना क्षेत्र जांचा जाएगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री द्वारा खेतों में गन्ना होने तक चीनी मिलों के चलवाने की घोषणा करने से हरकत में आया प्रशासन बंद मिलों के गन्ना क्षेत्र का आकलन करेगा। 41 चीनी मिलों में पेराई बंद होने और खेतों में बीस फीसद गन्ना अवशेष होने की शिकायत मिलने से माहौल गर्माया है।

पेराई बंद करने वाली चीनी मिलों के संचालक पर्याप्त गन्ना उपलब्ध न होने की वजह बता रहे है, परंतु बुलंदशहर, हापुड़, बरेली, सहारनपुर, सीतापुर एवं मुरादाबाद में मिलें मनमाने ढंग से बंद की जा रही है। बुलंदशहर में कार्यरत चार मिलों में से मात्र एक अगौता में ही पेराई जारी है। अहम बात यह रही कि बुलंदशहर चीनी मिल 28 जनवरी को ही बंद कर दी गई। भाकियू नेता मांगेराम का आरोप है कि मिल मालिकों के आगे प्रशासन पंगु साबित हो रहा है। जिलों में तीस प्रतिशत गन्ना अभी खेतों में है और मात्र एक मिल चल रही है।

- वित्तीय घाटा बढ़ने की आशंका से गन्ना पेराई रफ्तार कम की

दस से बीस प्रतिशत पेराई सुस्त : मिलों द्वारा पेराई रफ्तार सुस्त करने की नीति भी अपनायी जा रही है। गन्ना विभाग के आंकड़ों के मुताबिक गत वर्ष की तुलना मे दस से बीस फीसद पेराई व गन्ना खरीद कम की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि बाजार में चीनी मूल्य घटने के कारण मिलों का वित्तीय घाटा बढ़ रहा है। वर्तमान सत्र में किसानों का मिलों पर बकाया गन्ना मूल्य दस हजार करोड़ रुपये हो गया है। ब्याज की रकम भी 124 करोड़ रुपये हो चुकी है। ऐसे में मिलों को चालू कराना आसान नहीं होगा।

मनमर्जी पर कार्रवाई होगी : भटनागर-प्रमुख सचिव गन्ना विकास व चीनी उद्योग राहुल भटनागर ने कहा कि अपनी मर्जी से मिलें बंद करने पर कार्रवाई होगी। चीनी मिलें गन्ना खत्म होने पर ही पेराई रोकती है। इस तरह की शिकायत मिली तो जांच करा कर कार्रवाई करायी जाएगी।

पेराई बंद कर चुकीं चीनी मिलें : रोजा, तिलहर, मकसूदापुर व धुवायां (शाहजहांपुर), वाल्टरगंज व रुदौली (बस्ती), बिलासपुर व मिल्की नारायणपुर (रामपुर), बहेड़ी, मीरगंज, नवाबगंज व फरीदपुर (बरेली), घलौली व टोडरपुर (सहारनपुर), रोजागंज व मोती नगर (फैजाबाद), कैप्टनगंज व हाथा (कुशीनगर), साबितगढ़, अनूपशहर व बुलंदशहर (बुलंदशहर), बरखेड़ा (पीलीभीत), साठा (अलीगढ़) जरवल रोड (बहराइच), मिझौरा (अम्बेडकरनगर), कुंदरकी (गोंडा), रामगढ़ व महमूदाबाद (सीतापुर), हैदरगढ़ (बाराबंकी), रूपापुर, बघौली, हरयांव व लोनी (हरदोई), सुलतानपुर, रजपुरा (संभल), बलरामपुर व बृजनाथपुर (हापुड़)।